भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 922

दिनांक 11 फरवरी, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

देश में युवाओं में स्ट्रोक्स के बढ़ते मामले

922 **श्री एस. निरंजन रेड्डी:**

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार देश में युवाओं में स्ट्रोक के बढ़ते मामलों से अवगत है और क्या सरकार इस संबंध में आंकड़ों का रखरखाव कर रही है;
(ख) यदि हां, तो विशेष रूप से युवा आबादी में स्ट्रोक के कारण होने वाली मौतों की संख्या का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या मंत्रालय घटनाओं के उभरते रुझानों की जांच के लिए चिकित्सा अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों या वैश्विक स्वास्थ्य संगठनों के साथ सहयोग कर रहा है;
(घ) क्या यह सच है कि स्ट्रोक की घटनाएं ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी क्षेत्रों में अधिक प्रचलित हैं, यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और
(ङ) देश में स्ट्रोक की घटनाओं को कम करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ङ): भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने बताया है कि आईसीएमआर ने युवाओं में आघात के बढ़ते मामलों और मौतों के रुझान के बारे में डेटा एकत्र नहीं किया है। तथापि, राष्ट्रीय रोग सूचना और अनुसंधान केंद्र (एनसीडीआईआर) ने समुदाय में बढ़ते आघात की संख्या का अनुमान लगाने के लिए मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के सहयोग से लुधियाना, डिब्रूगढ़, कोटा, वाराणसी, कटक, कछार और तिरुनेलवेली में जनसंख्या आधारित शहरी और ग्रामीण रजिस्ट्री की है। एनसीडीआईआर 38 अस्पताल

आधारित रजिस्ट्री भी कर रहा है। ग्लोबल बर्डन ऑफ़ डिसीज़ अध्ययन के अनुसार, भारत में स्ट्रोक की क्रूड व्याप्तता दर वर्ष 1990 से वर्ष 2019 तक 30.1% (26.5 से 33.7) बढ़ी है।

शहरी और ग्रामीण लुधियाना में आईसीएमआर की जनसंख्या आधारित स्ट्रोक रजिस्ट्री ने यह पाया कि रक्तस्रावी आघात की व्याप्तता शहरी आबादी की तुलना में ग्रामीण आबादी में अधिक रहीं। आघात के जोखिम कारक, जिनमें उच्च रक्तचाप, हाइपरलिपिडिमिया और शराब का सेवन शामिल है, शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक व्याप्तता पाई गई।

राष्ट्रीय स्ट्रोक रजिस्ट्री कार्यक्रम में, ग्रामीण और शहरी आबादी को कवर करने वाले तीन जनसंख्या आधारित स्ट्रोक रजिस्ट्री (पीबीआरएस) में, पंजीकृत मामलों का अनुपात शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक था।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग द्वारा आघात सहित प्रमुख गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) को रोकने और नियंत्रित करने के लिए, राष्ट्रीय गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, मानव संसाधन विकास, स्वास्थ्य संवर्धन, शीघ्र निदान, प्रबंधन और उचित स्तर की स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए रेफरल पर ध्यान केंद्रित करना था। कार्यक्रम के तहत, देश भर में 770 जिला एनसीडी क्लीनिक, 233 कार्डियक केयर यूनिट (सीसीयू) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 6410 एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं।

समुदाय स्तर पर स्वास्थ्य संबंधी कार्यकलापों और लक्षित संचार को बढ़ावा देकर आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के तहत आघात के निवारक पहलू को मजबूत किया जाता है। कैंसर के बारे में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया का उपयोग करके जन जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए अन्य पहलों में विश्व स्ट्रोक दिवस मनाना शामिल है। एनपी-एनसीडी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा आघात सहित एनसीडी के लिए जागरूकता सृजन कार्यकलापों के लिए एनएचएम के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफ़एसएसएआई) के "ईट राइट इंडिया मूवमेंट" के माध्यम से "स्वस्थ भोजन" को बढ़ावा दिया जाता है। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय द्वारा "फिट इंडिया मूवमेंट" को क्रियान्वित किया जाता है। आयुष मंत्रालय द्वारा योग से संबंधित विभिन्न कार्यकलाप आयोजित किए जाते हैं।

*****